DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

14 June, 2024

आयुष सर्वेक्षण के परिणाम

संदर्भ: *NSSO ने 79वें राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के एक भाग के रूप में जुलाई 2022 से जून 2023 तक पहला अखिल भारतीय 'आयुष' सर्वेक्षण आयोजित किया था।*

- इस सर्वेक्षण में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुछ दुर्गम गांवों को छोड़कर पूरे भारतीय संघ को शामिल किया गया।

उद्देश्य:

➢ **सर्वेक्षण का उद्देश्य निम्नलिखित जानकारी एकत्र करना था:**

- स्वास्थ्य सेवा की पारंपरिक प्रणाली (चिकित्सा की आयुष प्रणाली) के बारे में जागरूकता फैलाना।
- बीमारियों की रोकथाम या उपचार के लिए आयुष के उपयोग को बढ़ावा देना।
- घरेलू उपचार, औषधीय पौधों, स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं और लोक चिकित्सा के बारे में परिवारों की जागरूकता बढ़ाना।
- इसके अतिरिक्त, सर्वेक्षण में आयुष चिकित्सा प्रणालियों का उपयोग करके उपचार के लिए घरेलू व्यय के बारे में जानकारी एकत्र की गई।

➢ **नमूना डिजाइन:**

- इस सर्वेक्षण के दौरान एक स्तरीकृत बहु-चरणीय नमूना डिजाइन का उपयोग किया गया था, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के गांवों और शहरी क्षेत्रों में शहरी फ्रेम सर्वेक्षण (यूएफएस) ब्लॉकों को प्रथम चरण इकाइयों (एफएसयू) के रूप में माना गया था।
- हालाँकि सर्वेक्षण के अंतिम चरण में दोनों क्षेत्रों के परिवार शामिल थे।
- चुने गए FSUs और घरों का चयन करने के लिए सरल यादृच्छिक नमूनाकरण (SRSWOR) का उपयोग किया गया था।

वैचारिक रूपरेखा:

➢ **आयुष के बारे में जागरूकता:** इसमें 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के उन व्यक्तियों को लक्षित किया गया है जिन्होंने:

- कभी भी आयुष उपचार लिया है।
- विभिन्न स्रोतों से आयुष प्रणालियों के बारे में सुना है।
- औषधीय पौधों, घरेलू उपचारों या पारंपरिक प्रथाओं के बारे में जानते हैं।
- आयुष स्वास्थ्य सेवा केंद्रों या सेवा प्रदाताओं के साथ पेशेवर रूप से जुड़े हुए हैं।

प्रमुख निष्कर्ष:

➢ **आयुष के बारे में जागरूकता**

- 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 95% ग्रामीण और 96% शहरी व्यक्ति आयुष के बारे में जानते हैं।
- 79% ग्रामीण और 80% शहरी परिवारों में कम से कम एक सदस्य औषधीय पौधों और घरेलू दवाओं के बारे में जानता है।
- ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लगभग 24% घरों में कम से कम एक सदस्य लोक चिकित्सा या स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं के बारे में जानता है।

➢ **आयुष का उपयोग**

- पिछले 365 दिनों में बीमारियों की रोकथाम या उपचार के लिए आयुष का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में अधिक है।
- बीमारियों की रोकथाम या उपचार के लिए आयुर्वेद को अन्य आयुष प्रणालियों की तुलना में प्राथमिकता दी जाती है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में, 40.5% व्यक्तियों ने आयुर्वेद का उपयोग किया, और 9.4% ने अन्य प्रणालियों (योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी सहित) का उपयोग किया।
- शहरी क्षेत्रों में, 45.5% व्यक्तियों ने आयुर्वेद का उपयोग किया, और 12.8% ने अन्य प्रणालियों का उपयोग किया।
- कुल मिलाकर, 46.3% ग्रामीण और 52.9% शहरी व्यक्तियों ने रोकथाम या उपचार के लिए आयुष का उपयोग किया।
- आयुष का उपयोग ज्यादातर कायाकल्प या निवारक उद्देश्यों के लिए किया जाता है, इसके बाद चिकित्सीय या उपचारात्मक उपचार होता है।

➢ **आयुष पर व्यय:**

- पिछले 365 दिनों के दौरान आयुष का उपयोग करके बीमारियों की रोकथाम या उपचार के लिए प्रति व्यक्ति औसत व्यय:
- **ग्रामीण क्षेत्रों में:** आयुर्वेद के लिए 394 रुपये और 52.9% शहरी व्यक्तियों ने रोकथाम या उपचार के लिए आयुष का उपयोग किया तथा अन्य प्रणालियों के लिए 622 रुपये।
- **शहरी क्षेत्रों में:** आयुर्वेद के लिए 499 रुपये और अन्य प्रणालियों के लिए 592 रुपये।
- **समग्र व्यय:** ग्रामीण क्षेत्रों में 472 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 574 रुपये।

ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2024 में भारत का प्रदर्शन

संदर्भ*: 12 जून को प्रकाशित रैंकिंग के अनुसार, विश्व आर्थिक मंच के ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स में भारत 129वें स्थान पर आ गया, जबकि आइसलैंड शीर्ष स्थान पर बना रहा।*

➢ **समग्र प्रदर्शन:**

- भारत ने 2024 में अपने लैंगिक अंतराल का 64.1% हिस्सा समाप्त कर लिया है।
- भारत 146 देशों में वैश्विक स्तर पर 127वें स्थान से गिरकर 129वें स्थान पर आ गया है।
- यह दक्षिण एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में तीसरे सबसे निचले स्थान पर है, जो बांग्लादेश (99वें), नेपाल (117वें), श्रीलंका (122वें) और भूटान (124वें) से भी खराब है, लेकिन पाकिस्तान (145वें) से बेहतर है।

➢ **मापदंडों के अनुसार प्रदर्शन**

- **आर्थिक भागीदारी और अवसर**
  - वैश्विक स्तर पर 142वें स्थान पर।
  - महिलाएं पुरुषों की औसत कमाई का 39.8% कमाती हैं।
  - कुछ सुधार के बावजूद, आर्थिक समानता अभी भी कम है।
  - भारत की आर्थिक समानता 2012 में 46% पर पहुंच गई थी।
  - सुधार की आवश्यकता वाले प्रमुख क्षेत्रों में अर्जित आय, वरिष्ठ भूमिकाएं, श्रम-बल भागीदारी और पेशेवर और तकनीकी नौकरियां शामिल हैं।
- **स्वास्थ्य और जीवन रक्षा**
  - इस श्रेणी में भारत वैश्विक स्तर पर 142वें स्थान पर है।
  - महिलाओं के लिए स्वास्थ्य परिणामों और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में महत्वपूर्ण असमानताएं बनी हुई हैं।
- **शैक्षिक प्राप्ति:**
  - इस श्रेणी में भारत वैश्विक स्तर पर 112वें स्थान पर है।
  - जबकि प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक शिक्षा में महिलाओं के लिए नामांकन अधिक है, पुरुषों और महिलाओं के बीच साक्षरता दर का अंतर 17.2 प्रतिशत अंक है।
  - यह अंतर भारत को साक्षरता दर संकेतक पर 124वां स्थान देता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | **LAXMI NAGAR :** 9205212500, 9205962002 | **RAJENDRA NAGAR:** 9205274743 | **UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ:** 0532-2260189, 8853467068 | **LUCKNOW** (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | **LUCKNOW** (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | **GREATER NOIDA:** 9205336037, 38 | **KANPUR:** 7887003962, 7897003962 | **GORAKHPUR** : 7080847474, 9161947474 | **ODISHA BHUBANESWAR:** 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- **राजनीतिक सशक्तिकरण:**
  - इस श्रेणी में भारत वैश्विक स्तर पर 65वें स्थान पर है।
  - साथ ही 40.7% स्कोर के साथ राज्य प्रमुख संकेतक पर शीर्ष 10 में शामिल है।
  - संघीय स्तर पर प्रतिनिधित्व कम बना हुआ है: महिलाओं के पास केवल 6.9% मंत्री पद और 17.2% संसदीय सीटें हैं।
  - नवगठित भारतीय मंत्रिमंडल में 30 केंद्रीय मंत्रियों में से केवल दो महिलाएँ हैं, जबकि पिछली सरकार में यह संख्या 10 थी।
  - केंद्रीय परिषद में महिला मंत्रियों की संख्या पिछली सरकार में 10 से घटकर सात हो गई है।

➢ **आर्थिक असमानताएँ:**

- भारत की आर्थिक समानता को 2012 के उच्चतम स्तर 46% तक पहुँचने के लिए 6.2 प्रतिशत अंकों के सुधार की आवश्यकता है।
- सुधार के लिए प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में लैंगिक अंतर को समाप्त करना अनिवार्य है:
  - अर्जित आय: वर्तमान में 28.6%
  - विधायी, वरिष्ठ अधिकारी और प्रबंधन भूमिकाएँ: 14.4%
  - श्रम-बल भागीदारी दर: 45.9%
  - पेशेवर और तकनीकी कर्मचारी: 49.4%

➢ **शैक्षणिक असमानताएँ:**

- प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक शिक्षा नामांकन में महिलाओं की हिस्सेदारी उच्च है, लेकिन इसमें मामूली वृद्धि हो रही है।
- पुरुषों और महिलाओं के बीच साक्षरता दर का अंतर 17.2 प्रतिशत अंक है, जो शैक्षिक प्राप्ति में भारत के निचले स्थान में योगदान देता है।

➢ **राजनीतिक असमानताएँ**

- राष्ट्राध्यक्ष सूचकांक में भारत का उच्च स्कोर (40.7%), मंत्रिस्तरीय और संसदीय पदों पर इसके कम प्रतिनिधित्व के विपरीत है।
- राजनीतिक असमानता महत्वपूर्ण है, जिसमें केवल 6.9% मंत्रिस्तरीय भूमिकाएँ और 17.2% संसदीय सीटें महिलाओं के पास हैं।

➢ **क्षेत्रीय समकक्षों के साथ तुलना**

- राजनीतिक भागीदारी में सुधार के बावजूद, भारत अभी भी मंत्रिस्तरीय स्तर और संसदों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के मामले में नेपाल जैसे क्षेत्रीय समकक्षों से पीछे है।
- राजनीतिक असमानता पूरे दक्षिण एशिया में एक आम मुद्दा है, हालाँकि 2006 से यह क्षेत्र राजनीतिक समानता की ओर 4 प्रतिशत अंक आगे बढ़ा है।

Southern Asia

Economy	Rank		Score
	Regional	Global	
Bangladesh	1	99	0.689
Nepal	2	117	0.664
Sri Lanka	3	122	0.653
Bhutan	4	124	0.651
India	5	129	0.641
Maldives	6	132	0.633
Pakistan	7	145	0.570

ऑप्टिकल परमाणु घड़ी

__संदर्भ__: शोधकर्ताओं ने जहाजों के लिए एक लघु ऑप्टिकल परमाणु घड़ी विकसित की है, जो सीज़ियम-आधारित परमाणु घड़ियों की तुलना में अधिक सटीक है।

ऑप्टिकल परमाणु घड़ियाँ: सटीक समय-निर्धारण में अत्याधुनिक तकनीक, पारंपरिक परमाणु घड़ियों की तुलना में बेहतर सटीकता प्रदान करती है।

ऑप्टिकल आवृत्तियाँ: समय माप के लिए दृश्यमान, पराबैंगनी और अवरक्त प्रकाश का उपयोग करें, जिससे उच्च परिशुद्धता प्राप्त होती है।

➢ **संचालन का सिद्धांत**

- **परमाणु संक्रमण:** लेजर द्वारा प्रेरित संक्रमण के साथ पारंपरिक परमाणु घड़ियों के समान सिद्धांत पर काम करते हैं।
- **अनुनाद आवृत्ति**: अधिक सटीक और स्थिर माप के लिए ऑप्टिकल रेंज का उपयोग करता है।
- **लेजर**: यह उच्च परिशुद्धता के साथ परमाणु संक्रमण को उत्तेजित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सुसंगत प्रकाश स्रोत हैं।
- **सुसंगत प्रकाश:** उत्सर्जित प्रकाश तरंगों में समान आवृत्ति और स्थिर तरंगदैर्ध्य संबंध होते हैं।
- **उच्च आवृत्ति:** माइक्रोवेव-आधारित परमाणु घड़ियों की तुलना में बहुत अधिक आवृत्तियों पर काम करते हैं, जिससे बेहतर समय संकल्प सक्षम होता है।

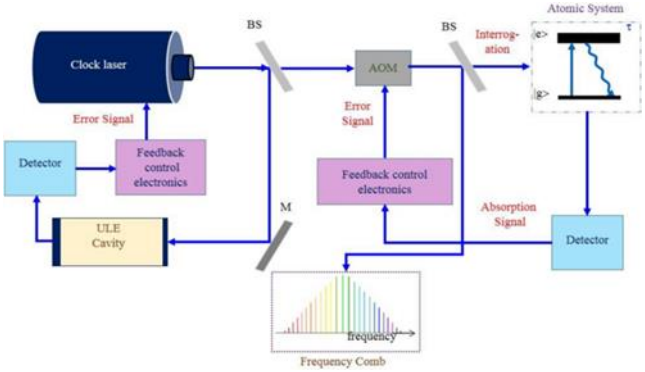

➢ **उपयोग किए जाने वाले सामान्य परमाणु**

- **स्ट्रोंटियम (Sr):** इसके स्थिर ऑप्टिकल संक्रमण और संकीर्ण लाइनविड्थ के लिए पसंदीदा।
- **यटरबियम (Yb):** स्ट्रोंटियम के समान गुणों के लिए उपयोग किया जाता है।
- **आयोडीन (I2):** इसकी मजबूती और उच्च सटीकता के लिए नए पोर्टेबल ऑप्टिकल परमाणु घड़ी में उपयोग किया जाता है।
- **सीज़ियम (Cs-133):** पारंपरिक परमाणु घड़ियाँ इसकी स्थिरता और प्राकृतिक घटना के लिए सीज़ियम का उपयोग करती हैं।

➢ **ऑप्टिकल परमाणु घड़ियों के लाभ**

- **सटीकता**: पारंपरिक परमाणु घड़ियों के 1.4 मिलियन वर्षों की तुलना में 300 बिलियन वर्षों में केवल एक सेकंड खो या प्राप्त कर सकते हैं।
- **स्थिरता**: उच्च ऑपरेटिंग आवृत्तियों और संकीर्ण लाइनविड्थ असाधारण दीर्घकालिक स्थिरता की ओर ले जाते हैं।
- **परिशुद्धता:** यह छोटे समय वृद्धि को अधिक सटीकता से मापने की क्षमता का प्रदर्शन करता है।

➢ **अनुप्रयोग:**

- **समुद्री और नेविगेशन**: समुद्र में नेविगेशन और संचार को बढ़ाता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **वैज्ञानिक अनुसंधान**: पानी के नीचे भूकंपीय और ज्वालामुखी गतिविधि की सटीक निगरानी की सुविधा देता है।
- **अंतरिक्ष अन्वेषण:** सापेक्षता के सिद्धांतों पर प्रयोग करने में सहायता करता है और उपग्रह-आधारित नेविगेशन लागत को संभावित रूप से कम कर सकता है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) और संसद टीवी ने हाल ही में भारतीय कला और संस्कृति को लोगों के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के बारे में:

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) एक राष्ट्रीय संस्थान है जो कला, संस्कृति और अध्ययन के अन्य क्षेत्रों से उनके संबंधों का अध्ययन करता है।
- इसकी स्थापना 1985 में प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने की थी।
- यह संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान है और कला में अनुसंधान, शैक्षणिक खोज और प्रसार के लिए समर्पित है।
- IGNCA रचनात्मक साहित्य, दृश्य कला, भौतिक संस्कृति, फोटोग्राफी, फिल्म और संगीत, नृत्य और रंगमंच जैसी प्रदर्शन कलाओं को शामिल करते हुए विभिन्न कला रूपों की खोज करता है।
- यह शहरों की सांस्कृतिक पुनर्खोज और समृद्धि के लिए गतिविधियों का आयोजन और उनमें भाग भी लेता है।

अटलांटिक ब्लूफिन टूना

ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन किया, जिसमें पता चला कि गर्म होते समुद्र के कारण अटलांटिक ब्लूफिन टूना उत्तर की ओर पलायन कर रही है।

अटलांटिक ब्लूफिन टूना के बारे में:

- अटलांटिक ब्लूफिन टूना (थुन्नस थायनस) उत्तरी अटलांटिक महासागर में पाई जाने वाली एक बड़ी, प्रवासी मछली है।
- यह समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में शीर्ष शिकारी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो स्क्विड और छोटी मछलियों जैसी शिकार प्रजातियों की आबादी को नियंत्रित करती है।
- **ब्लूफिन की तीन प्रजातियाँ हैं:** अटलांटिक (सबसे बड़ी और सबसे अधिक लुप्तप्राय), प्रशांत और दक्षिणी।
- यह व्यावसायिक रूप से सबसे मूल्यवान मछली प्रजातियों में से एक है, जो जापान में सुशी और साशिमी बाजारों में अपने उच्च गुणवत्ता वाले मांस के लिए मूल्यवान है।
- अत्यधिक मछली पकड़ने के कारण इसकी आबादी वैश्विक स्तर पर गंभीर रूप से कम हो गई है, जिसके कारण अंतर्राष्ट्रीय संरक्षण प्रयास और मछली पकड़ने के कोटा बढ़ गए हैं।
- वे अटलांटिक महासागर में व्यापक प्रवास करते हैं, भूमध्य सागर सहित भोजन और अंडे देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करते हैं।
- ICCAT (अटलांटिक ट्यूना के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय आयोग) जैसे अंतर्राष्ट्रीय निकाय मछली पकड़ने के कोटा को विनियमित करते हैं और टिकाऊ प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए आबादी की निगरानी करते हैं।
- इसे IUCN रेड लिस्ट में "सबसे कम चिंता" (**"Least Concern"**) के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

F-16 लड़ाकू विमान

हाल ही में, तुर्की और संयुक्त राज्य अमेरिका ने वाशिंगटन की स्वीकृति और महीनों की बातचीत के बाद F-16 युद्धक विमानों की बिक्री के लिए $23 बिलियन का सौदा अंतिम रूप दिया।

F-16 लड़ाकू विमान के बारे में:

- F-16 फाइटिंग फाल्कन, जिसे F-16 के नाम से भी जाना जाता है, एक सिंगल-सीट, सिंगल-इंजन, सुपरसोनिक, मल्टीरोल लड़ाकू विमान है जो 1979 से संयुक्त राज्य अमेरिका का फ्रंटलाइन लड़ाकू विमान रहा है।
- F-16 हवा से सतह पर मिशन में 500 मील से अधिक की उड़ान भर सकता है, शत्रु विमानों से बचाव कर सकता है और अपने शुरुआती बिंदु पर वापस आ सकता है।
- इसका लड़ाकू दायरा संभावित खतरे वाले लड़ाकू विमानों से अधिक है।
- यह रडार ग्राउंड क्लटर में कम उड़ान वाले विमानों की पहचान कर सकता है और सभी मौसम की स्थिति में लक्ष्यों को सटीक रूप से इंगित कर सकता है, जो इसे गैर-दृश्य बमबारी परिदृश्यों में सटीकता के साथ विस्फोटक वितरित करने की अनुमति देता है।
- यह एक प्रैट एंड व्हिटनी या जनरल इलेक्ट्रिक टर्बोफैन इंजन द्वारा संचालित होता है जो 23,000 से 29,000 पाउंड का थ्रस्ट उत्पन्न कर सकता है, जिससे विमान ध्वनि की गति से दोगुने से भी अधिक गति प्राप्त कर सकता है
- इसकी लंबाई लगभग 15 मीटर और पंखों का फैलाव लगभग नौ मीटर है, और इसका खाली वजन 9,000 किलोग्राम है।
- F-16 का नवीनतम संस्करण F-16V या वाइपर है, जिसे लॉकहीड मार्टिन द्वारा निर्मित किया गया है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

14 June, 2024

सुर्खियों में व्यक्तित्व
रामप्रसाद बिस्मिल

हाल ही में, रामप्रसाद बिस्मिल को उनकी जयंती पर राष्ट्र ने उन्हें याद किया।

रामप्रसाद बिस्मिल (11 जून 1897-19 दिसंबर 1927)

- भारतीय कवि, लेखक और क्रांतिकारी राम प्रसाद बिस्मिल का जन्म उत्तर-पश्चिमी प्रांत (वर्तमान उत्तर प्रदेश) के शाहजहाँपुर जिले में हुआ था।
- वे राष्ट्रवादी आंदोलन से बहुत प्रभावित थे तथा बाल गंगाधर तिलक और स्वामी विवेकानंद से प्रेरित थे।

योगदान:

- रामप्रसाद बिस्मिल काकोरी षड्यंत्र (1925) में शामिल थे, जहाँ क्रांतिकारियों ने सरकारी धन ले जा रही एक ट्रेन को निशाना बनाया था।
- वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) के एक प्रमुख सदस्य थे, जिसका बाद में नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) कर दिया गया।
- छोटी उम्र में ही वे आर्य समाज युवा संघ में शामिल हो गए और स्वामी दयानंद की शिक्षाओं का प्रचार करने लगे।
- उन्होंने प्रसिद्ध देशभक्ति कविता "सरफ़रोशी की तमन्ना" लिखी, जो स्वतंत्रता सेनानियों के लिए एक नारा बन गई।

नैतिक मूल्य: नेतृत्व, साहस, ईमानदारी, देशभक्ति, आदि।

सुर्खियों में स्थल
कुवैत

हाल ही में, कुवैत के अल-मंगफ क्षेत्र में भीषण आग लगने से 49 लोगों की मौत हो गई, जिसमें 40 भारतीय भी शामिल हैं, जिसके बाद भारतीय और कुवैती अधिकारियों ने जांच एवं समन्वित प्रतिक्रिया शुरू कर दी है।

कुवैत (राजधानी: कुवैत सिटी)

अवस्थिति: कुवैत, आधिकारिक तौर पर कुवैत राज्य पश्चिमी एशिया में अरब प्रायद्वीप के उत्तरपूर्वी भाग में स्थित एक देश है।

सीमाएँ:

- कुवैत की सीमाएँ फारस की खाड़ी (पूर्व), इराक (उत्तर और पश्चिम) और सऊदी अरब (दक्षिण) से लगती हैं।
- यह ईरान के साथ समुद्री सीमाएँ भी साझा करता है।

भौतिक विशेषताएँ:

- कुवैत का सबसे ऊँचा स्थान मुतला रिज है।
- कुवैत के प्रमुख खनिज संसाधनों में प्रचुर मात्रा में तेल और प्राकृतिक गैस भंडार, साथ ही चूना पत्थर और सिलिका रेत शामिल हैं।

सदस्यता: कुवैत संयुक्त राष्ट्र, अरब लीग, पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) का सदस्य है।

मुद्रा: कुवैत की मुद्रा कुवैती दीनार (KWD) है जो दुनिया में सबसे अधिक मूल्य वाली मुद्रा इकाइयों में से एक है।

ऐतिहासिक संदर्भ:

- कुवैत को 19 जून, 1961 को यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता मिली।
- 1990 में इराक ने देश पर आक्रमण किया, जिसके कारण खाड़ी युद्ध हुआ, जिसके बाद 1991 में गठबंधन सेना द्वारा इसे आज़ाद कराया गया।

POINTS TO PONDER

- भारत के राष्ट्रपति ने हाल ही में दिसंबर 2000 में लाल किले पर हुए हमले में शामिल लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकवादी की दया याचिका खारिज कर दी। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 72 के अनुसार, दया याचिकाओं के संबंध में राष्ट्रपति के पास क्या शक्तियाँ हैं? – **दंडादेश को निलम्बित करने, माफ करने या लघुकरण करने की शक्ति**
- हाल ही में, किस भारतीय शोध संस्थान ने मंगल ग्रह पर तीन क्रेटर (लाल क्रेटर, मुरसन क्रेटर और हिल्सा क्रेटर) की खोज की? – **भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (PRL), अहमदाबाद**
- जीवाश्म विज्ञानियों ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के किस क्षेत्र में पाई गई 100 मिलियन वर्ष पुरानी जीवाश्म हड्डियों का विश्लेषण करने के बाद टेरोसॉर की एक नई प्रजाति की खोज की? – **क्वींसलैंड**
- हाल ही में, फिलीपींस के नीग्रोस द्वीप पर किस स्थान पर विस्फोट के बाद ठंडे लावा की नदियाँ बहीं? – **माउंट कनलाओन नेचुरल पार्क**
- आईआईटी मद्रास और नासा के शोधकर्ता किस अंतरिक्ष सुविधा पर एंटरोबैक्टर बुगंडेंसिस पर ध्यान केंद्रित करते हुए बहु-दवा प्रतिरोधी (एमडीआर) रोगजनकों का अध्ययन कर रहे हैं?
  – **अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस)**

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com